

8/05/25

पत्रा पेश हूँ। वक्तु उप०। प्रतिवादीगणों की तलवी हेतु मौक़ा चाहा गया। पूर्व में अनेक अवसर दिखे जा चुके हैं, लेकिन स्पष्ट वारी वकील द्वारा नोटिस भी किया गया लेकिन तलवी नहीं कराई गई। अतः उक्त पत्रा० अदम पेश की इसी स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रा० फ़ैसल नुमाँर होकर नम्बर से कम की जाकर दारिखत दफ़तर हो।

